गणेशपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का उदघाटन

गावों में तकनीक के उपयोग को दे बढ़ावा – कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 20 फरवरी 2016: ग्रामीण क्षेत्र के शैक्षिक विकास के प्रति हमें प्रतिबद्ध होना चाहिए। आधुनिक

ज्ञान विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए हर गांव में तकनीक के माध्यम से विकास करने की आवश्यकता

है। उक्त उदबोधन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिए। वे विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से गणेशपुर गांव में आयोजित विशेष शिविर के

उदघाटन पर वक्तव्य दे रहे थे। उदघाटन समारोह में मंच पर गणेशपुर-पांढ़रकवडा ग्राम पंचायत की

सरपंच श्रीमती निर्मला वाघाडे, विवि के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, अखिल

भारतीय मराठी साहित्य महामंडल, पुणे के सदस्य, समाजसेवी प्रदीप दाते, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. अनवर अहमद

सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार की श्रेणी में है और हमें चाहिए कि गांव

का हर बच्चा पढ़े और उसे उच्च शिक्षा के अवसर भी उपलब्ध हों। गणेशपुर गांव को विश्वविद्यालय में गोद लिया हुआ है, इसका संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि विकास का कोई स्थायी कार्य इस गांव के लिए किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को आह्वान किया कि विकास का प्रारूप तैयार करें जिससे आगे की योजनाएं बनाई जा सके।

राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर वर्धा से आठ किलोमीटर दूर गणेशपुर में 20 से 26 तक लगाया गया है, जिसका उदघाटन शनिवार को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने फीता काटकर किया। समारोह में लॉयन्स क्लब के डॉ. अख्तर कुरेशी, गणेशपुर के शिक्षक राहुल सोनकुसरे, चित्रा निकेसर, मनीष चापडे,खुशालराव येडे, विशालराव शेलके, संदीप देखमुख आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती निर्मलाताई वाघाडे, प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रदीप दाते ने भी संबोधित किया। डॉ. सिद्दीकी ने गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए ग्यारह हजार रुपये का निधि कॉर्पस फंड में देने की घोषणा अपने वक्तव्य में की।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। सात दिवसीय शिविर में विभिन्न सामाजिक तथा सांस्कृतिक आयोजन होंगे। प्रारंभ में गांव के स्कूली विद्यार्थियों ने अपना परिचय देकर अपनी भावी जीवन की योजनाओं का जिक्र किया। कार्यक्रम का संचालन रासेयो संयोजक सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे ने किया तथा जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने आभार माना। कार्यक्रम में स्वयंसेवक विद्यार्थी तथा गणेशपुर गांव के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता हेतु राजदीप राठौर, नितीन तिरपुडे, अश्विन श्रीवास ने प्रयास किए।

गणेशपूर येथे राष्ट्रीय सेवा योजनेचे विशेष शिबिर, हिंदी विश्वविद्यालयाचा उपक्रम

खेडो-पाडी तंत्रज्ञानाचा उपयोग वाढला पाहिजे – कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 20 फेब्रुवारी 2016: ग्रामीण भागाचा शैक्षणिक विकास करण्यासाठी आम्हाला पुढाकार घेतलापाहिजे तसेच आधुनिकज्ञान आणि विज्ञानाचा प्रचार प्रसार ग्रामीण भागात करण्यासाठी खेडो-पाडीआधुनिक तंत्रज्ञानाचा उपायोग वाढविला पाहिजे असे आवाहन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने वर्धेपासून आठ किलोमीटर अंतरावरील गणेशपूर येथे आयोजित विशेष शिबिराच्या उदघाटन प्रसंगी बोलत होते. यावेळी मंचावर गणेशपुर-पांढ़रकवडा गट ग्राम पंचायतच्या सरपंच श्रीमती निर्मला वाघाडे, अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडळ, पुणेचे सदस्य, समाजसेवक प्रदीप दाते, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे उपस्थित होते.

प्रो. मिश्र म्हणाले की शिक्षणाचा अधिकार हा भारतीय राज्यघटनेत मूलभूत अधिकाराच्या श्रेणीत आहे. गावातील प्रत्येक मूल शिकले पाहिजे आणि त्याला उच्च शिक्षणाच्याही संधी उपलब्ध झाल्या पाहिजेत. विश्वविद्यालयाने दत्तक घेतलेल्या पाच गावांपैकी गणेशपूर हे एक गांव असून गावाच्या नियोजनबद्ध विकासासाठी प्रारूप तयार करण्यात येत आहे असेही ते म्हणाले. उदघाटन कार्यक्रमाला लॉयन्स क्लब गांधी सिटीचे डॉ. अख्तर कुरेशी, गणेशपूरचे शिक्षक राहुल सोनकुसरे, शिक्षिका चित्रा निकेसर, मनीष चापडे, खुशालराव येडे, विशालराव शेळके, संदीप देखमुख उपस्थित होते. यावेळी सरपंच श्रीमती निर्मलाताई वाघाडे, प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रदीप दाते यांनीही संबोधित केले. डॉ. सिद्दीकी यांनी गरीब मुलांच्या शिक्षणासाठी कॉर्पस फंड मध्ये अकरा हजार रुपये देण्याची घोषणा यावेळी केली.

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक यांनी कार्यक्रमाची रूपरेषा सांगितली. संचालन रासेयो संयोजक सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे यांनी केले तर आभार जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी मानले. यावेळी स्वयंसेवक विद्यार्थी तथा गणेशपूर गावातील गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी मोठया संख्येने हजर होते. यशस्वीतेसाठी राजदीप राठोड, नितीन तिरपुडे, अश्विन श्रीवास यांनी परिश्रम घेतले.